भाकृअनुप-केद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपूर

कपास की खेती के लए १५-२१ नवंबर, २०१६ साप्ताहिक सलाह

"सलाहकार संबं धत राज्यों के राज्य कृ ष व कृ ष वश्व वद्यालयों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कया जाता है"

साप्ताहिक सलाह

दिनांक	वास्त वक वर्षा (ममी)								मौसम वभाग व्दारा संभा वत वर्षा (ममी)					सलाह
	नवंबर													
	3to9	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	
उड़ीसा														फसल गूलर परिपक्वावस्था तथा चुनाई की अवस्था में हैं | चुनाई का कार्य धूप निकलने वाले दिनों में प्रात: 10:00 बजे के बाद कपड़े के थैलों में करें| कपास को 2-3 दिनों के लए कंकरीट फर्श पर अथवा तिरपाल शीट पर सुखाएँ| पहली चुनाई की कपास को अलग रखें| भवानीपटना जिले में सर्वेक्षण कए गए कसी भी गांव में नाशीकीटों का कोई गंभीर प्रकोप रिकार्ड नहीं कया गया है|
कोरापुट	0.8	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
कालाहांडी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
बोलांगीर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
गुजरात														सूरत जिले में, फसल गूलर परिपक्वावस्था में है| कुछ स्थलों पर जैसड आ र्थक हानि स्तर से ऊपर दर्ज कया गया है| कुछ क्षेत्रों में जीवाणु पत्ती शीर्णता प्रकोप देखा गया है| जूनागढ़ जिले में फसल गूलर प्रस्फुटन अवस्था में है| कुछ स्थलों पर जैसड तथा सफ़ेद मक्खी का प्रकोप आ र्थक हानि स्तर से अ धक देखा जा रहा है| फसल की इस अवस्था में रस चूषक कीटों के नियंत्रण उपाय करना कफायती नहीं होगा| आकस्मिक मुरझान तथा लाल पत्ती रोग भी देखे जा रहे हैं| सफ़ारिश कए गए उपाय प्रारंभ कए जा सकते हैं| गुलाबी सूँडी की निगरानी करने के लए कसानों को फसल में फीरोमोन ट्रैप@5-6/हे की संख्या में स्था पत करने की सलाह दी जाती है तथा 8पतंग/ट्रैप/रात्री सतत तीन दिनों तक ट्रैप में
अमरेली	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
भावनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
जामनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
राजकोट	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
भरूच	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
सबरकांठा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
सुरेन्द्रनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
अहमदाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

वडोदरा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	पकड़ में आने के आ र्थक हानि स्तर पर नियंत्रण उपाय प्रारंभ कए जा सकते हैं| सूरत जिले के 8 गावों में कए गए सर्वेक्षण में चांदिया, कासवड, पथोर, दहेली गावों में प्रत्येक के दो स्थलों पर जै सड आ र्थक हानि स्तर से ऊपर दर्ज कया गया| जूनागढ़ जिले के 3 गावों में सर्वेक्षण कया गया जिनमें नाशीकीटों का कोई गंभीर ग्रसन दर्ज नहीं कया गया| गुलाबी सूँडी की निगरानी तथा नियंत्रण: गुलाबी सूँडी के पतंगों की निगरानी प्रत्येक 3 दिनों बाद करते रहें| यदि पतंगों की संख्या प्रति ट्रैप 3 दिनों बाद प्रति खेत कम से कम 2 ट्रैप में 12 की संख्या को पार करने पर या तो बड़े पैमाने पर पतंग पकड़ने के लए 30 ट्रैप/एकड़ फसल में स्था पत करें अथवा/और अंड परजीव्याभ *ट्रायकोग्रामा बेक्टरी* को फसल में ग्रसन की प्रारं भक अवस्था में छोडें जो भाकृअनुप-एनबीएआईआर, बंगलूरु से प्राप्त कए जा सकते हैं| मध्य अक्टूबर से मध्य दिसंबर के बीच में सप्ताह में एक बार 20 पौधों से व्यतिक्रम में 20 हरे गूलरों को काटकर देखा जा सकता है| जी वत गुलाबी सूँ डयों सहित 10-15% कोष्ठक क्षति के आ र्थक हानि स्तर पर तथा/अथवा यदि पतंगों की संख्या 24 प्रति ट्रैप 3 दिनों बाद कम से कम 2 ट्रैपों में प्रति खेत पकड़ में आने पर या तो 30 ट्रैप प्रति एकड़ बड़े पैमाने पर पतंग पकड़ने के लए फसल में स्था पत करें और/अथवा कसी एक संश्ले षत पाइरेथ्राइड का छिड़काव करें| दिसंबर में कीटनाशक का छिड़काव सामन्यत: सं चत कपास में सर्फ उन्हीं खेतों में करें जिनमें प्रति पौधा कम-से-कम 8-10 हरे गूलर लगे हों| पूरी तरह प्रस्फुटित गूलरों से कपास चुनने के बाद ही हरे गूलरों के संरक्षण के लए कीटनाशक का छिड़काव करें| सफ़ेद मक्खी तथा अमेरिकन बॉलवर्म के पुनरुद्भव से बचने के लए संश्ले षत पाइरेथ्राइड के केवल एक या दो छिड़काव ही करें
पाटन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
मेहसाना	0	0	0	0	0	0	0		0	0	0	0	0	
मध्य प्रदेश														अगेती फसल गूलर प्रस्फुटन अवस्था में है	कुछ खेतों में चुनाई का कार्य शुरू हो गया है| पछेती फसल में रस चूषक कीटों का प्रकोप देखा गया है|
खरगोन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
धार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
खंडवा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

महाराष्ट्र														राहुरी में फसल गूलर वकास अवस्था में प्रवेश कर चुकी है | ए फड तथा जै सड का प्रकोप देखा गया है जिसे संस्तुत उपायों द्वारा नियंत्रण में कया गया है | *एल्टरनेरिया* पत्ती धब्बा तथा जीवाणु झुलसा का प्रकोप देखा गया है। नांदेड जिले में, पंपलगाव , वरतला तथा तुप्पा गांवों में प्रत्येक के एक स्थल पर जै सड आ र्थक हानि स्तर से अ धक दर्ज कया गया | केरोडा तथा तुप्पा गांवों में एक स्थल पर मलीबग , गुलाबी सूँडी(5 स्थलों पर) , अमेरिकन सूँडी(एक स्थल) , *एस. लटुरा*(2 स्थलों पर) तथा चत्तीदार सूँडी (2-3 स्थलों पर) सर्वेक्षण कए गए सभी 05 गावों में आ र्थक हानि स्तर से अ धक रिकार्ड कए गए| अकोला जिले में सर्वेक्षण कए गए 03 गावों में से कड़ोशी गाँव में जै सड की संख्या एक स्थल पर आ र्थक हानि स्तर से अ धक पाई गई | गूलर की सूँ डयों की रोकथाम के लए संस्तुत उपाय कए जा सकते हैं|
धुले	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
नांदूरबार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
जलगांव	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
अहमदनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
औरंगाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
जालना	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
बीड़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
नांदेड़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
परभणी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
हिंगोली	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
बुलढाना	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
अकोला	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
वा सम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
अमरावती	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
यवतमाल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
वर्धा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
नागपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
चन्द्रपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
तेलंगाना														कुछ गांवों में गुलाबी सूँडी का ग्रसन आ र्थक हानि स्तर से ऊपर था | तुरंत @4-5ट्रैप/हे की संख्या में फीरोमोन ट्रैप गुलाबी सूँडी की निगरानी के लए फसल में स्था पत करें| आ र्थक हानि स्तर पर प्रबंधन कार्यनीति का कार्यान्वयन करें | गुलाबी सूँडी की निगरानी तथा रोकथाम: प्रत्येक 3 दिनों में एक बार गुलाबी सूँडी के पतंगों की निगरानी करें| यदि पतंगों की संख्या 12 पतंग/ट्रैप तीन दिनों बाद , प्रति खेत 2 ट्रैप में पकड़ में आने पर , या तो बड़े पैमाने पर पतंग पकड़ने के लए 30 ट्रैप/एकड़ की दर से फसल में स्था पत करें और/अथवा *ट्राइकोग्रामा*
आदिलाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
वारंगल	0	0	0	0	0	0	0	0	#	5	0	0	0	
खम्मन	0	0	0	0	0	0	0	0	#	6	0	0	0	
कारिंगर	0	0	0	0	0	0	0	0	6	3	0	0	0	
नालगोंडा	0	0	0	0	0	0	0	0	#	5	8	0	0	
महबूबनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	8	5	6	0	0	

														बेक्टरी अंड परजीव्याभ को फसल में छोड़े जिसे भाकृअनुप-एनबीएआईआर, बंगलूरु से प्राप्त कया जा सकता है। इसे ग्रसन की प्रारं भक अवस्था में छोड़ें। सप्ताह में एक बार दिसंबर तक 20 व्यतिक्रम पौधों से 20 हरे गूलरों का प्रतिच्छेदन करके देखते रहें। जी वत गुलाबी सूँ डयों के साथ 10-15% कोष्ठक क्षति के आ र्थक हानि स्तर पर, और/अथवा, यदि पतंगों की संकया 3 दिनों बाद 24/ट्रैप प्रति खेत कम से कम दो ट्रै पों में पकड़ में आने पर , या तो बड़े पैमाने पर पतंगों को पकड़ने के लए 30 ट्रैप/एकड़ की दर से स्था पत करें और/अथवा क्लोरपायरीफॉस अथवा क्वीनालफॉस का नवंबर में एक छिड़काव करें तथा संश्ले षत पाइरेथ्राइड का दिसंबर में करें। दिसंबर में सामान्यत: सं चत कपास में कीटनाशक का छिड़काव केवल उन्ही खेतों में करें जहां प्रति पौधों 8-10 हरे गूलर मौजूद हों। पूरे प्रस्फुटित गूलरों से कपास चुनने के बाद ही हरे गूलरों की सुरक्षा के लए कीटनाशक का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी तथा अमेरिकन बॉलवर्म के पुनरुद्भव को टालने के लए संश्ले षत पाइरेथ्राइड के सर्फ एक या दो ही छिड़काव करें।
आंध्रप्रदेश														फसल गूलर वकास तथा गूलर प्रस्फुटन अवस्था में प्रवेश कर चुकी है। जै सड तथा सफ़ेद मक्खी का प्रकोप देखा गया है जिसकी रोकथाम के समु चत उपाय कए गए हैं। आ धकांश जिलों में, गुलाबी सूँडी का प्रकोप वद्यमान है ले कन आ र्थक हानि स्तर से कम है। प्रकोप की निगरानी के लए सामुदायिक स्तर पर खेत में तुरंत फीरोमोन ट्रैप स्था पत करें। नांदियाल जिले में 2 गांवों में सर्वेक्षण कया गया जहां नाशीकीटों का कोई गंभीर प्रकोप नहीं है। गुंटूर जिले में बाशीकीट ग्रसन के लए 10 गांवों का सर्वेक्षण कया गया जिनमें एक स्थल पर सफ़ेद मक्खी आ र्थक हानि स्तर से ऊपर दर्ज की गई। आठ गांवों, नामत:, निदुमुक्कला, पोन्नेकल्लू, पेड़ापरि म, श्रीपुरम, लेमाल्ले, लंगापुर, प्रत्तीपडू, तिम्मापुरम, सर्वे कए गए इन सभी गांवों के 1-2 स्थलों में जै सड आ र्थक हानि स्तर से अ धक दर्ज कया गया। थ्रप्स भी सभी 8 गावों के प्रत्येक के एक स्थल पर आ र्थक हानि स्तर से अ धक दर्ज की गई तथा गुलाबी सूँडी को मेडीकोंडूरु तथा सरीपुरम गांवों के प्रत्येक के 2 स्थलों पर आ र्थक हानि स्तर से अ धक दर्ज कया गया।
गुन्टूर	0.5	0	0	0	0	0	0	0	#	4	8	0	0	
प्रकासम	0	0	0	0	0	0	0	0	6	2	3	0	0	

कर्नाटक														फसल गूलर प्रस्फुटन अवस्था में है| आ धकांश क्षेत्रों में पहली चुनाई का कार्य पूरा हो चुका है| वगत सप्ताह धारवाड़ तथा हवेरी जिलों के कपास उत्पादक क्षेत्रों में वर्षा नहीं होने से सूखाकाल रहा| शुष्क मौसम के कारण मृदा नमी प्रतिबल बढ़ा जिसके परिणामस्वरूप शीघ्र गूलर पके तथा प्रस्फुटित हुए | कुछ क्षेत्रों में पछेती बोई गई फसल में एफीड तथा जै सड की संख्या रिपोर्ट की गई | कपास का अच्छा भाव लेने के लए चुनाई के अनुसार कपास को बेचने का सुझाव दिया जाता है | प्रातः शीघ्र कपास चुनाई न करें| कपास को बाजार में बेचने के लए ले जाने से पहले तथा कपड़े के थैलों में भरने से पहले धूप में सूखा लें| सुझाव दिया जाता है क संचाई की सु वधा वाले क्षेत्रो में कपास की फसल की संचाई न करें तथा पेडी फसल भी न लें| अन्यथा इससे आगामी फसल सत्र में नाशीकीटों तथा रोगों का प्रकोप बढ़ने मे मदद मलेगी | रायचूर जिले के 6 गांवों में सर्वेक्षण कया गया जहाँ नाशीकीटों का कोई गंभीर प्रकोप नहीं पाया गया|
धारवाड़	0	0	0	0	0	0	0	0	7	0	0	0	0	
हवेरी	0	0	0	0	0	0	10	10	5	0	0	0	0	
मैसूर	0	0	0	0	0	0	0	0	6	5	0	0	0	
ता मलनाडु														फसल शीर्ष पुष्पन तथा गूलर अवस्था में प्रवेश कर चुकी है| पछेती बुआई की गई फसल में म ी चढ़ाने तथा नत्र व पोटे शयम उर्वरकों के मृदा अनुप्रयोग की सफ़ारिश की जाती है| पछेती फसल में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों की रोकथाम के लए पायरीथायोबैक सो डयम(10%)एससी का अंकुरण-पश्चात अनुप्रयोग@62.5ग्रा/हे की दर से करें तथा घास कुल के खरपतवारों की रोकथाम के लए क्वीजालोफॉप-इथाइल(5%) का @ 50 ग्रा/हे की दर से अनुप्रयोग की सफ़ारिश की जाती है| रस चूषक कीटों तथा गूलर की सूँ डयों का प्रकोप देखा जा रहा है| कसानों को सलाह दी जाती है क कपास परामर्शी (परि शष्ट) के अनुसार छिड़काव करें| रोगों का प्रकोप नहीं है| त मलनाडू में श्री वल्लीपुत्तूर के 3 गावों में सर्वेक्षण कया गया जहां थुम्माकुंडू, मुथु लंगापुरम गांवों के 1-2 स्थलों पर जै सड आ र्थक हानि स्तर से अ धक दर्ज कया गया|
पेरंबलुर	23	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	
सलेम	0.6	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	
त्रिची	1.3	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	
वरडुनगर	27	0	0	0	0	0	0	0	3	#	4	4	3	

आदर्श वर्षा					
वर्षा म.मी.	**<5**	**5-20**	**21-50**	**50-80**	**>80**

साप्ताहिक सलाहकार संयोजक टीम:

डा. के.आर. क्रांति, डा. ए. एच. प्रकाश, डा. संध्या क्रांति, डा. डी. मौंगा, डा. ब्लेज़ डी-सूजा, डा. एस. बी. संह, डा. संगनधूपे, डा.एम.वी. वेणुगोपालन, डा. इसाबेला अग्रवाल, डा. एम.सबेस, डा. वश्लेष नगरारे, डा. ऋ ष कुमार, डा. एन अनुराधा नराला, डा. दीपक नगराले, श्रीमति संगीता औरंगाबादकर एवं कु. स चता एलेकर

हिन्दी संसकरण: डॉ. उल्हास नंदनकर, मुख्य तकनीकी अ धकारी एवं प्रभारी, हिन्दी अनुभाग तथा प्रभारी, वरिष्ठ प्रक्षेत्र अधीक्षक, केकअनुसं, नागपुर (महाराष्ट्र)